

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 50.00 संख्या 2397

लेवल जीरो

सुपर कमाण्डो ध्रुव

नागराज

फाइटर टोड्स





परिकल्पना
मंदार गंगेले
अनुराग सिंह

पटकथा
सुधांत पंडा

पेंसिलिंग
सुधांत पंडा

इंकिंग
सुधांत, मंदार,
बसंत पंडा

टाइपोग्राफी
हरीश शर्मा

इफैक्ट्स
शादाब सिद्दीकी

सह संपादक
मंदार गंगेले

संपादक
मनीष गुप्ता



संजय गुप्ता पेश करते हैं !

लेवल जीरो

राज कॉमिक्स है मेरा जगह !



पिछले अंक 'गहरी चाल' में आपने पढ़ा किस तरह नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव का पुराना दुश्मन खीन मांभा स्वर्ण नगरी के एक भद्दे वैज्ञानिक जेलर भुवक की मदद से स्वर्ण नगरी की आग बकाशा से आजाद हो जाता है और धनजय शक्ति पूरे स्वर्णनगरी को बेहोशी के नर्त में धकेल वहां पर अपना कब्जा कर लेता है। परन्तु फाइटर टोडल की निर्मात्री शिल्पात्री वहां से फरार हो जाती है। टोडल इमोजनल मूंदी क्षीवर बेछाकर इमोजनल हो जाते हैं और टोडल के अपने लिए एक मां मांगते हैं। इतने में आयाम शर खुलता है और नागराज और ध्रुव से मदद मांगने जा रही शिल्पात्री का बेहोश जिस्म बाहर आ गिरता है। टोडल शिल्पात्री को अपनी मां समझ लेते हैं अब आगे पढ़ें-



ओह! मैं कहां हूँ?

बेहोश होने के बाद डायामी श्वार
से मेरा नियंत्रण हट गया था।

नागराज और दूध तक पहुंचने से पहले ही मैं बीच में ही
कहीं ड्रा गिरी और न जाने इस वक़्त मैं कहां पर हूँ?

मज्जी!

मज्जी?

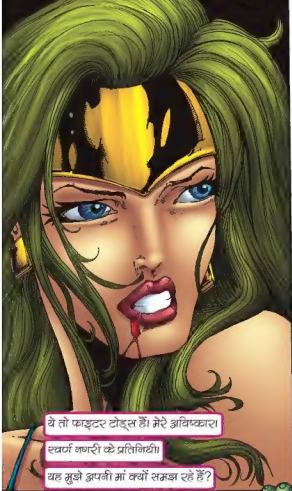
मज्जी
को होश ड्रा
गया।

नहीं! नहीं!
मैंम लो कट जाऊ
नहीं।

मां तु जान
गइं मां।

माते! हम
तेरे बाब...
नहीं- नहीं! हरे-
पीले, तुम कहां
हीं अब तक
कड़ोर?

मज्जी?
मैंम?? मां?
माते?



ये तो फाइटर टोड्स हैं। मेरे अविकार।
स्वर्ण नगरी के प्रतिनिधि।
यह मुझे अपनी मां क्यों समझ रहे हैं?

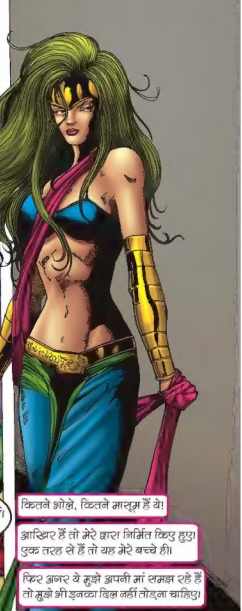


ये तुमसे
कितने कहा कि मैं
तुम्हारी मां हूँ?

अब हमें और अधिक
सूझा न बनाओ जाते। टोडदेव से जब
हमने अपने लिए एक मां मांगी तो तभी
टोडदेव का द्वार खुला और टोडदेव
ने तुम्हें हमारे पास भेज दिया।



तुम्हारी याद
में हम बहुत लड़े मां।
मांSSS ऊवांSSS.



कितने ओले, कितने मांसूम मैं ये!
आखिर हैं तो मेरे द्वारा निर्मित किए हुए।
एक तरह से हैं तो यह मेरे बच्चे ही।

फिर अगर ये मुझे अपनी मां समझ रहे हैं
तो मुझे भी इनका दिल नहीं तोड़ना चाहिए।



बच्चों तुम कितने समझदार हो
गए हो। मैं तो तुम्हारी परीक्षा ले रही थी। पर
तुम सबने तो मुझे झट से पहचान लिया।
मैं तुम्हारी मां ही हूँ। मेरे बच्चों।

मांSSSS



मां तुम्हारी
शायद इंसानों जैसी
क्यों है?

टोडदेव की आवाज से मुझे
कई सारे काम इंसानों के बीच में
रहकर करने पड़ते हैं। इसलिए मुझे
प्लास्टिक सर्जरी करवाई है ताकि बिना
किसी दिक्कत के मैं इंसानों के साथ
काम कर सकूँ और उन्हें कोई
शक भी ना हो।



प्लास्टिक
सर्जरी से पहले तुम कैसी
दिखती थी?

क्या प्लास्टिक
सर्जरी से सिर पर बाल
भी आ जाते हैं?

टर् टर्SSSS
टर् टर्SSSS

इंसानों के
बीच तुम्हें क्या काम
पड़ते हैं?

टोडदेव
ने तुम्हें क्या काम
वॉण है?

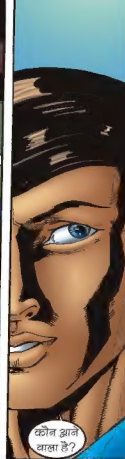
टर् टर्
टर् टर्

हे टोड देव... बचा लो!

ओह! ये मैं क्या सोच रही हूँ।

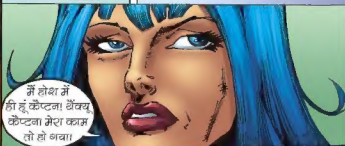
कहाँ होंगे नागराज और...

उफ! बुरी फर्सी शिल्पात्री अब वा तो इनके
सवाल को जवाब दे- दे वा इनकी टर्-टर्
से दुबारा बेहोश होने की तैयारी कर ले।





रेणु!
प्लीज होश में
आओ।



मैं होश में
ही हूँ कैप्टन! वेंकयू
कैप्टन! मेरा काम
तो हो गया।



कैसा
काम?

बरअसल एक पप्पू
लड़का कई दिनों से मेरे पीछे
लगा था। उसने न निगलते
बनता था न उगलते।

फिर फाइनली मुझे उससे
पीछा छुड़ाने के लिए ये आइडिया मिल
गया। मैंने उसे कहा कि मेरा ब्यॉरफ्रेंड है।
जब उसे विश्वास न हुआ तब मुझे ये
चाल चलनी पड़ी।

तुम्हें कोई
और नहीं मिला था इस
झूठे के लिए।

नताशा ने देख
लिया होता तो मेरे लिए भी कोई
च्चाइस नहीं होती। नताशा का शुरुआ तो
तुम जानती ही हो बम की तरह
फटता है।

बिल्कुल यही कहा
तुमने। नताशा का शुरुआ
बिल्कुल बम। हाहाहा।



100
STUDIO

पीटर था वहीं और
करीम से होता नहीं। अब बचे
सिर्फ तुम। NO CHOICE!

अरे बाप रे स्पून बॉस
ने सही कहा था। शूट के बिना
के सामने सुपर कम्प्यूटर
भी कुछ नहीं।

इसने मुझे
देखाते ही ताड़ दिया कि
मेरे पास बम है।

*टुण्डे
अब तेरा क्या
होगा?

*टुण्डे के बारे में
जानने के लिए पढ़ें
'फाइटर टोड्स'।

आल 'वू',
जलाल तु! आई बला
को टाड़ तु!

इसे क्या
हुआ कैप्टन?
ये कांप क्यों
रहा है।

इसकी जेब
से क्रिकेट की गेंद गिर
रही हैं। और... नीचे गिरती गेंदों का
आकार और स्पीड तो बढ़ती
ही जा रही है।

घबो कैप्टन
ये तो...

"बॉम्बलू है।"

कमाल है। ये जमीन
पर गिरकर नहीं फट रहे,
पर जैसे ही किसी बिडिंग या
कार के सम्पर्क में आते
हैं फट जाते हैं।

ये स्मार्ट बॉम्ब्स हैं। इनकी इलास्टीसिटी इनकी स्पीड को और बढ़ा रही है।

मुझे आखिरी समय तक इंतजार करना होगा और...

इन बाजबल में सेंसर लगे हैं शायद। वे तो पूरी बम मंडली मेरे पीछे पड़ गई।

क्या था ये? सोचा समझा हमझा था वा फिर किसी बड़े आंतकी हमले की प्खानिंन!

जो अनायास ही मेरे सामने आ गई।

इनसे निपटने का एक तरीका समझ में आ रहा है।

इस तरह से मैं तो बच जाऊंगा पर आन-पास की चीजों से टक्कर कर ये जान और माल दोनों को नुकसान पहुंचाऊंगे।

GOOO! जैसा सोचा था ये सारे मेरे पीछे पीछे गटर में आ गए हैं।

अब बस मुझे दूसरी ओर से बाहर निकलकर...

और हो जाऊंगा बहारत...

करना है गटर का दृक्कन बंब।

सारे बम अंदर ही रह जायेंगे।

महानगर

जल्दी कर माहडी।
भगवत काम है। ड्रॉपी आउट जगल
और बम लगावे हैं।

ये. ये
क... क
कर

क्या हुआ?

क्या कर-कर, कर
रहा है। सांप क्यों लूँ
बाया तूछे?

क्या

सांप
लूँ नहीं बाया
संसा रहा है।

अब
लूँ ही संसा
है ला? काटा
तो नहीं ड्रॉपी?
संसा क्यों नहीं
लेना उले.

उडा है
पाने यही संसा.

ड्रॉपी
सिर्फ ये संसा
रहा है.

कहाँ तू
तो संसा उहनी
बाया.

शौर और
उर्फो दुलक
होता।

महाराज

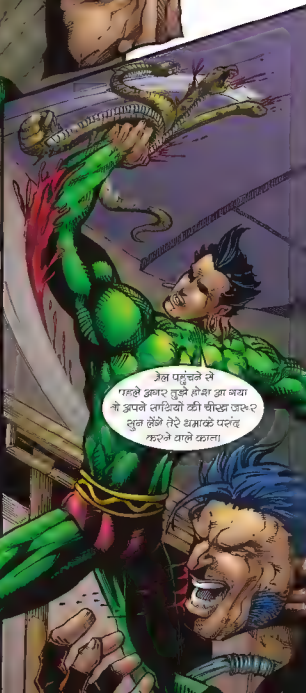
श्री

उसके ना बिक
मोश उड़े हैं। तू तो पूरा का
पूरा उड़ जाऊगा।

हाँ, महाराज
तुम्हारे वे मोश
हैगा।

मरे कानों को धमके
पमंज हैं और वो धमके के साथ
और महाराज की चीख भी
सुनना चाहते हैं,

और
अभिमान ले
सुनना

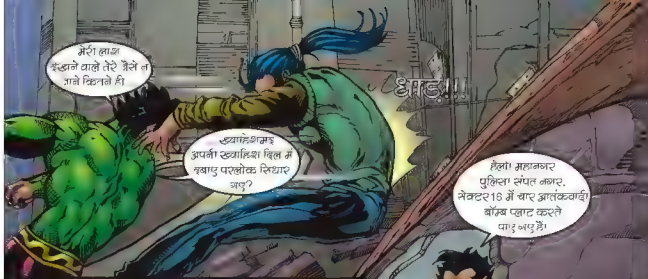


पर उलले पहले
गला फाड़कर चीखने की
बजाय यह बताना कि किसके
कहने पर यह काम कर रहे थे,
गुजरारी सेना के बिड़ उबाड़
कायदेमद होना।

बनाओ, किसके
कहने पर बाइबल लूना
रहे थे यहा?

बलाकुआ
पर तुझे
कहीं तेरी खादा
नही?

मेरी लाड





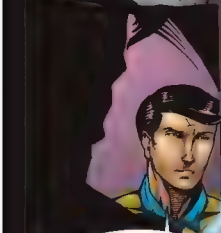
ओ कि राजनगर और महानगर में ही वाकर नहीं रुकने वाली है। बल्कि इनकी योजना शहर के कोने कोने को गिराकर रखा देने की है।

यूह-तुम यहाँ??

जब तुमसे संपर्क नहीं हो पाया तो मैं तुरंत स्टार हैलीकॉप्टर से महानगर आ गया और ज़ाबुल मित्रों से पता लगा कि तुम डल यकत यहाँ पर हो

आतंकवादियों की शहरी सशस्त्र लड़ती है। पहले राजनगर में सीरियल ब्लास्ट और अब महानगर में भी सीरियल ब्लास्ट की योजना,

शहरों की ज़मीन बहुत बड़ी मात्रा में है।



हां, नाशराज में तुम ही दूढ़ने निकला था। राजनगर में हुए धमाके के बाद आतंकवादी सशस्त्रों का पीछा करते हुए मुझे वहाँ भिन्न चुके थे कि अबले सीरियल ब्लास्ट महानगर में होने वाले थे।

आतंकवादियों की शक्ति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि, विस्फोट में इस्तेमाल किए जाने वाले बम में कितन तरह के उपलब्ध नशील पदार्थों का प्रयोग किया गया है यह इसी तर्क पर नहीं चल पाया। ऐसे विस्फोटक पदार्थ पहली बार शहर में आए हैं।

इस सारे मामले की तह तक जाहदी पहुंचना होगा क्योंकि

आज जिनकी मसूरी बिस्म रही है उनकी मसूरी है वही

क्या हुआ
बिस्म?

बेदाजक
हुआ।

पूरी कोशिशों के बावजूद
श्री में प्रक्षेपास्त्राकार को खोल पाने
में सफल नहीं हो पाया हूँ।

बेदाजक
का बेदापर क्या
होया?

और हमें
जहाँ होश में लान
का गोस्विम नहीं
बना चाहिये।

शिल्पात्री का
पता कैसे लगाओ
तुम?

मेरे पास
बहुत से ऐसे बंत्र हैं जिन
की सहायता से

मैं शिल्पात्री का पता कर सकूँ। निश्चय।

बच्चों टोडदेव को
नागराज और ध्रुव की मदद
की जरूरत है।

हमें नागराज
और ध्रुव को बुझने के लिए
निकलना चाहिये।

आप नहीं जाओगे।
आप धाबल हो। आपको और
डुनाव की जरूरत है।

तुम आधका से चंचल बनकर, मेरी ही कदम

होना। बहुत जल्द होगा।
क्योंकि जिन इक्के बुक्के को उस द्वार
को खोलने का तरीका पता है। उनमें से एक शिल्पात्री
श्री है। जिसे हमें बुद्ध निखालना होगा, क्योंकि बाकी
स्वर्णमानवों और दानजय वनेराज को तो हमने
आहरी बेहोशी के गर्त में धकेल दिया है।

आज तक तुम
चारों की मेरी समझ में
नहीं आते थे।

अब तुम्हारी मा
कहाँ से आ गई?

हम
टोडदेव ने भोज
है। कीर्तिका।

अब ये टोड
देव क्यों है? रूसी
श्री

मस्ती आप आराम करी। हम
भरत को दो की टोली बनाकर नागराज और ध्रुव का
मित्रने राजनगर और ममानगर जाने हैं।

कॉन्सट्रक्टर साहसब क्या घोषणा करें?

अपराधियों का निर्धारण करके सच उजाहवाने के जितने तरीके थे सारे आपन लिपु हमने। अगर अब तक कोई अपनी जुबान खोलने को तैयार नहीं है।

अजमेर

लुप्त खुलासा इंस्पेक्टर, क्योंकि नाबराउ के पास सच उजाहवाने के और भी तरीके हैं।

बाला, किसके कहने पर कर रहे थे तुम ये काम?

तो फिर कब?

अरे तीव्र सज्जोहन से कहने के बाद ही इनहोंने अपनी जुबान क्यों नहीं खोली?

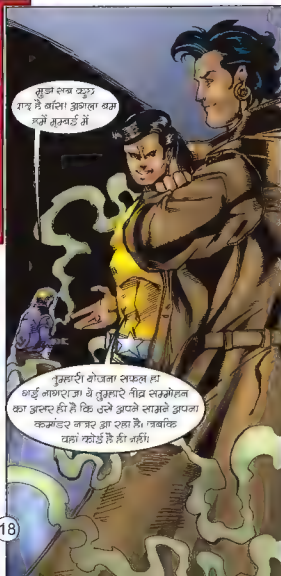
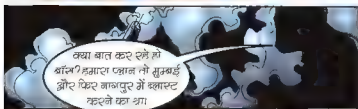
बालिक इनहोंने तो अपनी जुबान ही खींच ली।

मन्सब अजमेर से काम नहीं चलेगा। इनका जुबान खुलवाने के लिए कोई और तरीका अपनाना पड़ेगा।

अस सज्जोहन की नारको टेस्ट की तरह ही है धुवा। जिसमें मैं इनको अव्यक्त अवस्था में ले जाकर खचाड़ उगलवाता हूँ।

हा पर तो नरीकन हमें जगद

आ एकल आनकवाहियां को दोनिज देते समय इस बात की भी रेनिज की जाती है कि उनसे सच उजाहवाने के लिए यदि नारको टेस्ट का इस्तेमाल किया जाए तो कैसे चकमा दिया जाए।



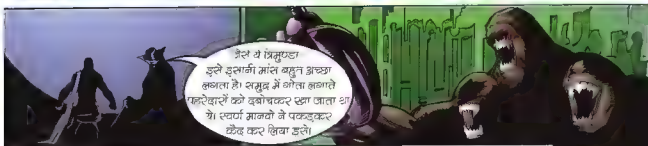


अब हमें
प्रोफेसर स्पून
के झट्टे पर धावा
बोझ कर इनकी
शेखना को ध्वस्त
करना है।



महा नर शत्रु

माया क्या वह कुछ
कैदी हमारे क़दम आ सकते
हैं जो शस्त्री पर जाकर लड़ाई
मचा सकते हैं। आसक का
उपना बना सकते हैं।



बैल व प्रिमुण्डा
इसे इसकी मांस बहुत अच्छा
लगाता है। समुद्र में गोता लगाते
पक्षियों को क़ोचकर खा जाता था
ये। स्वर्ण मानवों ने पकड़कर
कौह कर लिया इसे।



अब
ये हमारा
गुप्तान प्रोफेसर
और विनाश
का खेल
खेलेगा।



वां बीना कीज है?
इसे भी आजाद कर लेते हैं। साथ
किरसा क़दम आ जाय

वो बीना हमारे
किल्ली काम नहीं आपका
बलिक हमारा काम
तमाम कर देगा।

आगे चलो उस
कैब से आगाब कर दिया ता
हम जिंदगी की कैब से
आगाब हो जाएंगे।

अभी बहुत कंई
है हमारे पास जो काम
आ सकते हैं।

क्योंकि वो महामानव
है। पृथ्वी की सबसे बड़ी
मजबूत उसको सामने हमारी
हैरियत कीड़े मकौड़े से
इधरिक्त नहीं है।

ये देखो शिल्पात्री
को फॉर्मूले पर मैंने निर्माण
किया है इन ब्लैक टोइस का। इनमें
सारी जानकारी को अलावा जुड़ो
कराटे मार्शल आर्ट का भी
ज्ञान भर दिया है।

इन्हें विकरणों के
द्वारा शिल्पात्री ने फाइटर टोइस
को निर्माण किया था।

मैंदक
का शुन हुआ
मांस कभी मेरा
प्रिय आहार
हुआ करता
था।

कम्प्यूटर
हम नागराज की को
कैसे बंधे?

कोई नहीं
जानता कि वो क्या
रहते हैं।

कदर मेले
नागराज की की बहुत
सी न्यूज इकट्ठी
कर ही है।

अच्छा फाइटर टोइस
वो चार फुटें मैंदक की औलाब।
उन कमखर्तों ने भी बात लगाई
थी मेरे दांते की।

MUTATION LEVEL COMPLETE

हाहाहा। आबा ये लो
अब पूरी तरह से तैयार हो गए
हैं ब्लैक टोइस। शिल्पात्री को हमें
का काम मैंने इनके सि सौंपा है। और मेरे
यंत्र बन रहे हैं कि शिल्पात्री इनके
मिनेरी लजापुर में।

और मैं इस नर्सिंग
पर पहुँचा हूँ कि आरती चैनल
पर नागराज के इंटरव्यू और
बाइय एक्शन या फिर उससे जुड़ी
कोई भी खबर सबसे
पहले आते हैं।

मनलस रिट

मनलस रिट
मैंने आरती चैनल
पहुंचना है।

आरती

मैंने नागराज
की से मिलना
है?

नो आप यहाँ पर
क्यों आप हैं? नागराज
की कौन घर जाओ!

MACRAT

आप नागराज की कौन
घर का पता बता दीजिए
हम वहीं चले जाएंगे।

नागराज के
घर का पता तो मुझे
कहीं पता

वैसे नागराज
पूरी दुनिया को अपना घर
मानता है।

कमबख्त मकसदी!
सोच रही है कि कौन सी को
पीछे जाकर कटार की
झिझ ले बच।



21



मैककट एस

कौन हो
तुम लोग?

जाओ

कटार
क्या हुआ
तुम्हें?
मरवा
मरवा कटार के
बच्चे ने।

उस कटार
कौन हुआ बस
बिना इजाजत के
कैबिन की चीजों से
फेड़छाड़ करने पर
लिव्युरिटी लिस्ट
ऑन हो गया और
कॉरेन का लेख
झटका लगा है
इसकटो।

अप
तुम भी अपने
भिर से हैट मटाओ
और चुपचाप बताओ
नागराज को क्यों
खंड रहे थे कौन
हो तुम?



क्या हुआ मेरा ?

आई पकड़ा तुम्हें !



नज़र फटने

डिस्क में डेटा के भूत

कम्प्यूटर वो माला राज जी का पता ?



दुप पर शरुकाद कहीं को तेरी चटोरी कीज हमेशा बेडालक करवानी है हमारा

अब जागराज जी को कहीं और हँदना होगा

राज टेबल
से उतर आओ
ये बापु!

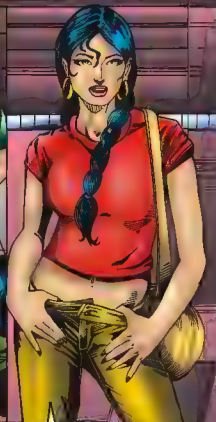
स भई?

ये नागराज
जाने कैसे कैसे
डरावने स्थलनायकों से
पंगा लेना रहता है और
परिणाम ओली-ओली
कमता को सुनतना
पड़ता है।

किंकिं! बोंहरे
घरिन का ऐसा
जबरदस्त परफार्मेंस
दिया है कि टोबी जेम्सवर
ने जी स्पेडडरमेंस और
पीटर वाकर के रोल
में नहीं दिया
सोना।

मे तो आपने
कैबिन से बाहर
ही न निकलूँ। भूल
चिपका निकलत लगी
आये, मर्यादा उब
कटा लुकाये।

है हे नताशा!
आईया के लिए कीम,
टी शर्ट लेने का कोई
फायदा है ही? वो आई
साइड तो 24 में से 18 घंटे
उली पीसी बीडी यूनिफॉर्म
में ही पाए जायेंगे। और
बाकी बचे 6 घंटे वो
नाइट सट पहनकर
काम करवाएंगे।



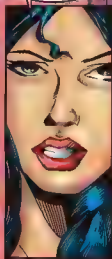
और तुम भी कीड
मे सपने में ही उन्हें जींस
टी शर्ट में पोज बनाते हुए
देखना। O.K.?

नम अपकी

सब श्वेता

डैसी अलुराग
मर गए नताशा
अब वे चिपक
फेविकोल की तरह
हमसे चिपक
जायेंगे।

कमबख्त
आते ही हारसी रिलान
का कहना

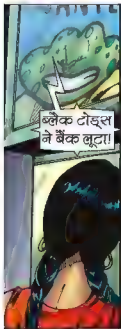


और कैसे
ही हमें ही देखने
पड़ेगे।

तुम अगर
सकल लो में उसे टरका
के आती हों।

O.K.





कॉन्क वे ने यही
आनकवादी है जिन्होंने थोड़ी
देर पहले मैट्रो पर आतंकी
हमला किया था।

व आतंकवादी है।

बता लुरे,
फकड़ को
जुते।

साब पहले मेरे
को फकड़ो। मैं बडा खानके
मिरना है।

हैड्स अप
आनले की कोशिश।
मात करेना।
प्रयोगिक जाले
नहीं पाओगे।

ओह! टोडस सामने
ही कमांडो हैडकवाटर में
हजामा भचा रहे हैं। चडिका की
कॉस्टयूम का थिंक किया
हुआ वे परं अब मेरे
काम आरुणा

हमें
आनकवादी कहा
यानि गाली
दी।

आह!!

हम आनकवादी
नहीं, आनकवादियों क
वुशमन फाइटर
टोडस हैं। हमारा काम
अपरधियो से लडना
है। आतंक फैलाना
नहीं।

गारटर्ड अलग थर।
ओ! हमें पुलिस के पछडे
में नहीं पहला।

व नो समस्या था
वर्ड शूटरी अब कैल
दुहेवा हम

धुव
आऊSSSSफ-

शान कर
कहा जाओगे
समनो?

आऊSSSS!



कम्प्यूटर और मन्द,

कम्प्यूटर! अब
नागराज जी को कैसे छोड़े?
कहाँ छोड़ें?

सच्चे दिल से
छोड़ा जाय तो अन्धदान भी
मिल जाते हैं कटरी।



तो समझ लो
शक्तों कि तुम्हें अन्धदान
मिल जाय।

अरे!
नागराज जी
जा जाय।

अपना आप



अब बनाओ
भुन्दकों क्यों छात्र
रहे थे सुझे?
और क्यों
हो तुम?

मम कम्प्यूटर
मौदम है।

नागराज जी
दोखदेय सुलीयत में हैं,
उन्होंने आप को मदद
के लिए पुकारा है।

हमारी मां की
छात्रता हो गर्जु है। या
खुद आप को बुलाने
आई थी।

आम! इनका हृमय तो उन
आतंकवादियों से मिलता है जिनका
कामन्द करने हुए देखा गया था।



प्लीज नागराज
जी हमारे साथ चलिये,
ना प्लीज.

य भुन्दको लिखने आतंकवादी अपने आपका
मरु गाना ही शवाण भगवते हैं।

मगर 'नागू' को बेवकूफ बनाता
उपना असमान नहीं है। ईश्वर।

अच्छा हुआ नागराज ने मुझे महानगर की सुरक्षा
के लिए 'रात्र' और 'नागरात्र' दोनों का रूप धार
कर यहाँ मौजूद रहने का आदेश दिया था।



य क्या

ओह! अर्ध से सीना कट्टा गया है।
सौदा हो गया। रिपकन फट्ट अट्ट



कट्टर बर्रा
सुनना!

हो रहा



गार नागराज
ई ने हमें परचाया
क्यों नहीं?

हा मुझे भी
मजता है कि ये नागराज
जी नहीं कोई और
शैतान है।



फिर क्या
करें? हो सकता है कि
टोडदेव के शत्रु ने इस शैतान को
नागराज बनाकर भेजा हो, हमें
गुमराह करने के लिए
खुशर फुलरा

ये शत्रु
क्या खुशर फुलरा
कर रहे हैं,



28



अरे! अहाह यदि नागराज हाता ला वो जरूर
उनके हमोशतन हमें में फंस जाना।

मफिन डल शत्रुकों का दुर्भाग्य कि डलका
नामना सुपर जगन्त नागू से हो गया, ईश्वर।

क्या विमान पाया है तुने नागू।
अज अर्ध है अपने आप पर।





क्यों मुन्हीं जबरन की भाषा बोल क्यों मचा रही है?...





ओह! गारटलर
बचाओ!

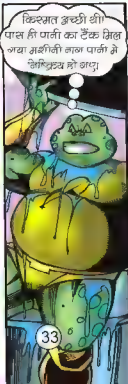


पहले तू
मुझे बचा फिर मैं तुझे
बचाऊंगा!

ना वो
मुझे बचा पाएगा,
ना तू उस उले!



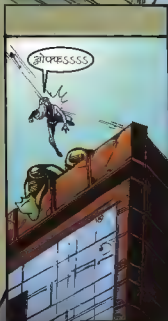
तुझे अब
तुझारी जुबान की
बचा सकती है,
बोलो! क्यों
जोड़ रहे थे
धूँध क्यों?



किरमत अच्छी थी।
पास ही पानी का टैंक मिल
गया मस्जिदी वाल पार्क में
लेकिटव हो गए!

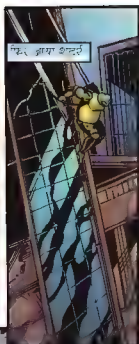


अब देखता हूँ,
कैसे बचती है ये कबूतरी
जैसे घुंसा बाण से!



आफा बीच
आकर दो।





चंडिका! वे
आतंकवादी नहीं हैं
बल्कि ओले-आले दार्मीले गंवार
अपने बड़े जाबाज फाइटिंग
टोइस हैं।

बकूब पर तो टोइस
बिस्बापु जा रहे हैं। उनका रंग ब्लैक
है और वो इनसे भिन्न हैं।

लेकिन टोइस
भूम राजगंध में क्या
कर रहे हो?

नाम के जान के बारे

वा तो
राजापुर गया
हुआ है।

मैं भी
बचनी हूँ।

और हम
गर्लें राधा बंद
रहे हैं।

O.K.
चंडिका



हम तो लुप्ट
कामाण्डो धुव टी को
सोत्रने आपु थे।





A large, muscular green figure (Hulk) is shown in a dynamic pose, flexing his right arm. He is surrounded by a chaotic scene of destruction, with debris, twisted metal, and smoke in the background. The lighting is dramatic, with strong highlights and deep shadows.

HILKK WANTS
TO BE LEFT
ALONE.

अब ये
'हौन सी मुर्लाबन
आ गई?

और
वे मौल क्यों
रहा है?

This panel shows a red car parked on a street filled with rubble. A small green figure is visible near the car. The background shows more destruction and smoke.

ओह सारा
मुटपन, ट्रांसलेटर
अनि करला कुल
बाया था।

हर्दर बचा।

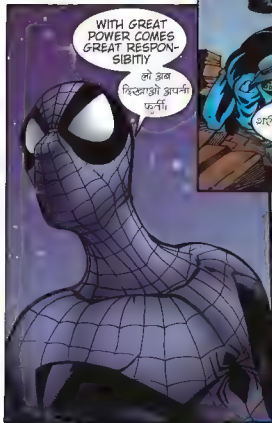
वे सो पुरा
मौल है,



तुम मुझे बचाने करने चले थे न? मैं तुम दोनों को ऐसे बचाने कर रहा हूँ। तुमसरी अगली सात पृष्ठों की इस कबाड़ के दौर से बाहर नहीं आ पाओगे।



मैंने बड़बोले, अब तुझे पना चलेगा कि टोडल मोन ही बला है। क्योंकि हम तो इतनी फूर्ति से उठकेले कि मेरे साथ आओगे नहीं।



WITH GREAT POWER COMES GREAT RESPONSIBILITY

लो अब दिखाओ अपनी फूर्ति।

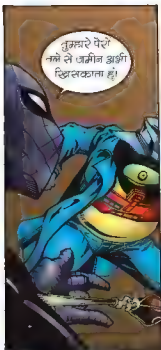


और अपने बड़े शरीर के कारण तू हमसे नहीं बच पाएगा,

सही कहा, बड़ा शरीर बाधा बन जाएगा मे पर फिकर नोट। वैरावरी बहुत है आपुन के पास



अब देखो तुम टपझड़ी की फूर्ति।



तब-तब पाप धरा पर आड़ी!! कथा जाई पुनि-पुनि दोहराड़ी!!



जब जब तुम जैसे पापियों
का धरती पर आर बढ़ता है तब तब
उस आर को कम करने के लिए मैं
लेता हूँ अवतार... ये है मेरा, .
दशावतार!

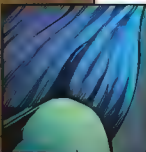




ये ब्रह्मा जगया
मोहना तुझे भी वहीं
शे त्र देता हूँ।



रहूँ ब्रह्मा
मोहना।



आपकी वृत्ति?



हा नागराज, एक
गड्डो, ये फाइटर टोडल में
से एक कम्यूटर है।

ये आतंकवादी है।

नहीं ये आतंकवादी
नहीं हैं। ये अपराध के
खिलाफ आवाज उठाते
वाले फाइटर हैं।

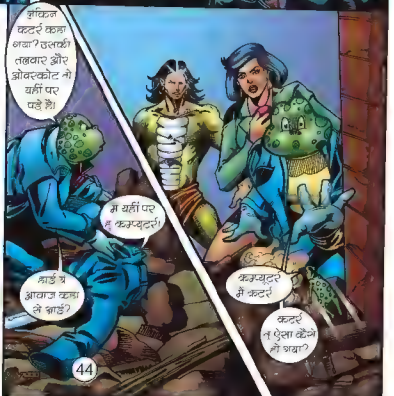


राजापुर के कई छोटे
बड़े गैंगस्टर्स को खेल की हवा
खिलाई है इसमोले।

मुझे याद आ
रहा है नागराज ने इनका एक
बार जिद कर दिया था। नागराज ने मुझे
बनाया था कि टोडल उसके
मित्र हैं।

फिर आतंकवादियों
के रूप से मिलता इनका
हलिया?

इनको आफिल में
पहली बार देखने के बाद
ही मुझे कुछ याद आ रहा
था। नेट सर्च करने पर मुझे
पूरी जानकारी मिल गई
ये फाइटर टोडल हैं।



सपना सच हो रहा है। मैंने सबको छोटे मेंडक में बदलने देखा था लेकिन ऐसा हुआ कैसे?

कम्प्यूटर में पिङ्गुआ शर का कैसे हो गया? अब इनके छोटे से पेट में तो एक क्रीड़े से अधिक के लिए जगह न होगी।

"सुप कर पेट में।"

अब ना टनक बारे में टोडवेव ही बता सकते हैं या फिर मा।

क्या? शूटर की छोटे टोड में बदल चुका है।

टोड्स में आपकी लैब में कुछ प्रचार करनी है। शायद तुम्हें टीक कर सकू।

तुम सभी का छोटे टोड्स में बदलने का कारण है तुम्हारा म्यूटेशन लेवल जीरो होना।

वास्तव में तुम सभी म्यूटेट्स हो गिने तुम्हें विकिरणों की सहायता से बनाया था एक विशिष्ट

समयावधि के बाद वो म्यूटेशन लेवल जीरो हो जाता है। कलरबल्ल तुम सभी वापस टोड में बदल जाते हो। ऐसा पहले ही हो सकता था पर समय खत्म होने से पहले मैं ही म्यूटेशन लेवल आर्मक कर देती हूँ।

लेकिन अब स्थिति अलग है। ग्रहा पर तुम्हारा निर्माण हुआ था वहां पर अब जैतानो का कब्जा है। बच्चों, वहां पर टोडवेव की बेस है। अब हमारी सहायता कोई कर सकता है तो वो मागराज और सुपर कमाण्डो धुव हैं।



ये ही अब हमारी और स्वर्णनगरी की रक्षा कर सकते हैं।

कहाँ लवरी ?

हा स्वर्णनगरी तुम्हारे निर्माण रक्षा के नाम स्वर्णनगरी है। डलकी प्रान्तगरी धरती पर केवल नगराज और शुभ को ही है।



आपले हमारा निर्माण कया है? मतलब आप हमारी मा नहीं है, ऊयाऽऽऽ

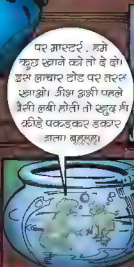
मतलब कि हम आपके बच्चे नहीं हैं। ऊवाऽऽऽ



नहीं क्योंकि तुम्हारे निर्माण के लिए जो मानव प्रिय चाहिए थे वो मेरे थे।

डलावतु में ही तुम्हारी मां हू तुम की मेरे बच्चे हो।

कया लच मेरे लुबुका



पर गारटर , हमें कुछ खाने को तो दे दो। इस लावार टोट पर तरल खाओ। जीवा डाड़ी पहले तैसी लबी होती तो खुद ही कीड़े पकड़कर डकार गाला खहखहा।



मां मेरे बच्चों।

नोदना जरा खरा आता।

ओह नौकरी की बूझ रही हैं।

आजै रक पेदा। समझ नहीं है डाऊ।

गिजरे के मेढक रेऽऽऽ तैरऽऽऽहई न गाले गयोई।

सूरीयतों पर सूरीयतें
बढ़ती जा रही हैं। ना जाने क्या
स्वर्ण नगरी में दमजब
और बाकियो क्या

ब्लेक टोडस ले
आओ शिखारी को...
स्वर्ण नगरी में।

मां!

मारुतें वा
गुंठ नासपीटे में क्या
ले आतु



कम्यूटर
हमें सयॉ नगरी
गना होगा

लेकिन मास्टर
स्वर्णनगरी जाने के
लिए हमें पहले वाणराज
जी और ध्रुव जी को
खोजना होगा.



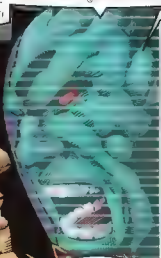
आकाश
आप आपकी
ही ऐसी नैरी
क्यों करवा
रहे हैं?



मास्टर, नैरी
म्यूटेशन लेवल की
करीब है गया।

चुप कर चमच
के बच्चे। इतने
सालों में तू और
नैरी युवान नकी
सुधरी। आकाश
आका आका।

तुम कहा था न कि मुझे बालि कहा
कर। अगली बार अगर तेरे मुँह से आका
निकला तो यहां से बैठे बैठे मिसाइल का
पहला निशाना तुझ पर ही लगाऊंगा।



नहीं SSS ऐसी बात
करना मेरे आका SSS
मेरे आकाश पाताल के
अनयान।



प्रोफेसर वासु

क्या
तुमसे मेरे
आका?

आरे, तुमसे
आका की तो
ऐसा की नैरी,

बास! वाणराज और
ध्रुव ने महानगर के लीरियल
क्वार्टर की योजना को ध्वस्त कर दिया
है। हमारे आकाश पुलिस की चंगुल में
हैं। अगर उन्हीं ने अपनी युवान
नहीं छोड़ी है।



युवान खुलने से पहले ही
उसकी युवान और सारे
दोनों को बंद कर दो।



"तुम्हारी चिन्ता नुस्तान कर चमचे"

"उनने निपटने के लिए मैं तुझे देने देने हथियार देना कि"

"ये क्या था चमचे? फिर मेरे गलास तोड़ दिया तुमने?"

गलास नहीं बाँस, अब तो हड्डियाँ टूटने का दाईम आ गया है।

प्रोफेसर स्पून तुम्हारा डोल अब हमेशा के लिए खत्म हो गया समझो।









देखो शिल्पात्री आज
तुम अन्न की टैब में हो,
जब से तुम्हें कोयल अन्न की छुड़ा
सकता है या फिर यमलूत। वो भी
तब, जब वो तुम्हें यमलूत से
जाने के लिए आए।
सह्याय।

तुम्हें पता है
शिल्पात्री, धम्मकी सुझे
परमहंसी।

आइकरी आइकरी
याद रखिए पाप के तिस्र मास
पर आप चल पड़े हैं। उसकी मंजिल
केवल विनाश है विनाश दूत बनकर
आपने मेरे बच्चे फाट्टर टोडस
और ध्वस्त कर लेंगे आपके
कुत्तिलत डरावो को।

श्रीऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽ

फाइटर
टोड्स शिल्पात्री
का सबसे बड़ा
अविष्कार हैं।
इसका विनाश
करने में मुझे
बहुत मजा
आयगा।

और टूटकर
मिलेबी वर्षों से जल रहे
मेरे दिल को।

जाआ मेरे
अविष्कारों नष्ट कर
दो। मेरी सबसे बड़ी दुश्मन
शिल्पात्री के अविष्कार
को।

रसोला बार
स्वर्णनगरी पहुँचा दो मेरे बार
आई मेंढक खन गए हैं।

स्वर्णनगरी
तो कला पर है
झैरिया?

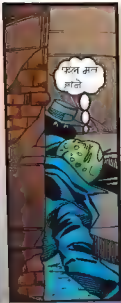
स्वर्ण
नगरी झले हन
पहुँचा देंगे।

ये ब्लैक टोडल, इनहोन
ही किया है मम्मी का किडनैप
यही पहुँचा तकले में मुझे
स्वर्णनगरी।

मुझे न केवल
अपने आईवों को बचाना है
बल्कि उन कमन्दरों से
भी निशाना देना।

पर आज लगभग
है कि उन हाथों का
प्रयोग करत अपनी लेब में
रखे हुए अपने आईवों,
माँ और टोडवेव की
रक्षा के लिए।

आज तक सिर्फ
कमन्दर के बदन ही बचाने
आए हैं ये हाथ।





लाभराना इन
AMPHIBIAN प्राणियों को मैंने
पहले ही कहीं देखा है।



इन
खतरनाक
बसुंधी प्राणियों
का आसपासियों
को पाले होना
अच्छा संकेत
नहीं है।



पहले बाउंड
स्कारट्स और
अब इन प्राणियों
की वजह से जूझनी
पड़नी लगी है कि वो
कहाँ इस मामले के
पीछे है।



उसकी वो जगह
सिर्फ डायनक फैलाव
नहीं है।



कहाँ शायदकर यह सब
अपना घर उठाने की चेष्टा
कर रहा है। ओकफ।



ओह! नागराज
इन प्राणी को वार से
बच नहीं पाया।



DON'T
WORRY नागराज!
मैं आ रहा हूँ!



चिंता हमें नहीं शूब,
अब इन प्राणियों और क्लास्ट्रल
के पीछे मास्टर माईंड्स
को करनी है।

अब और समय
बर्बाद नहीं करेगा
नागराज!



सिरी कहा,
और समय बर्बाद
करने का कोई अर्थ
ही नहीं है।

क्योंकि मुझे
समझ आ गया है ये
प्राणी कब से आ
रहे हैं।



प्रोफेसर स्पूल ने
बाहर जाने का रास्ता बंद
कर दिया है।
छत फोड़कर
बाहर निकलने का रास्ता
बनाना होगा।

ऊपर में सही हूँ का
मैंने इन सभी प्राणियों का
स्वर्णनगरी में देखा है।

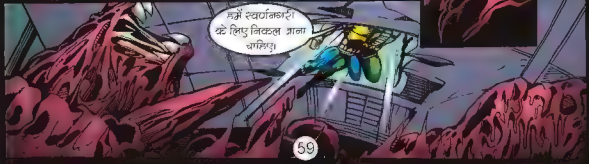
नया? स्वर्णनगरी
के प्राणी इन आतंकवादियों के
पात्र बन केले हो नाए?



मेरे विपक्ष
इसको डोल नहीं
पाएंगे वे।



हमें स्वर्णनगरी
के लिए निकल जाना
चाहिए।

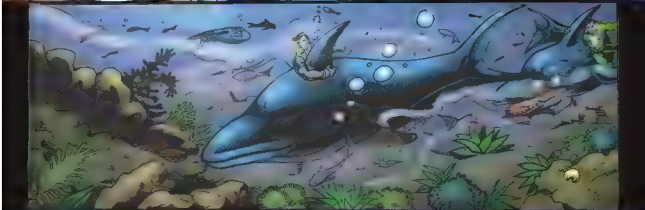


राजलक्ष्मी लक्ष्मी भट

यहीं से हमें
मिलेगी स्वर्ण नगरी का
हिंदु सवारी।



आओ बोलत, तुम्हें
कुछ बार फिर से हमें स्वर्ण
नगरी ले जाना है।



कोनराज और
शुभ स्वर्णनगरी की तरफ
बढ़ रहे हैं अचानक।





आने दो यही स्वर्णनगरी
अब उनकी मृत्युनगरी बनेगी क्योंकि
स्वर्णनगरी में प्रवेश करते ही

उनका सामना मोठा स्वर्ण
नगरी को खतरनाक कैंडियो से।

डोम! हमारे स्वागत
की तैयारी पहले से ही कर
रही है दुश्मनों ने।

मोठा
आफ है!

हमारे यहाँ आने
का आवास पहले से था
उन लोगों को!

मे नारे नरण
नगरी के कैदी थे। इनके
ऐसे आजाव घूमने का मतलब
अनसुख बहुत आरं है। स्वर्ण नगरी
के अन्तर्गत व रक्षक
नगर नहीं आ रहे हैं।

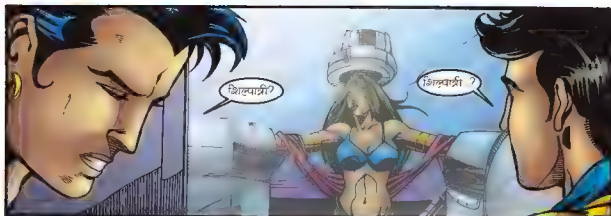
इसे सावधानी
से आगे बढ़ना
चाहिए।

अबक तुम्हारे सारे
आनन्दवाक नमूने, नमूने
ही साबित हुए।

डैश चेंबर से बचकर
निकल पाना इनके लिए
असंभव नहीं होगा।

बस हमें
अवकाश ले का
लेना होगा।

यों तो हम
में बहुत बुरा
आरं है।



तबले तुम्हें
कैद किया।

हेः वैयर भा।

ओह, था'छा
शिल्पात्री की ही की इमेज
यहां पर प्रेषित की
जा रही थी।

बुनिया क नरु
अजवान, गांवा और अदक
के दरबार में तुम्हारा स्वागत
है नागराज और सुपर
कमण्डो धुवा।

हाँ भाव।

शिल्पात्री कैद
है। धनजय कहा गया?
और तुम्हारे साथ वे स्वर्ण
मानव???

साहसा! धनजय
की उजाल पर अब हम
हैं और धनजय हमारी उजाल
यानि कि दरबार नगरी के
कारागार में कैद है।

परंतु हमने अपने ही हाथों अपने
बैरों पर कुल्हाड़ी मार ली। बेहोमी की अवस्था
में धनजय के दिमाग को स्केन कर पाया
अंजय था।

बची ही शिल्पात्री
ओ कि तुम्हें ही कुंदने
निकली थी।

और इसका सारा श्रेय जाता है। इस स्वर्ण
नगरी के कलियुगी विभीषण श्री अदक जी को। इन्हीं की
सहायता से तख्ता पलट किया है मैंने यहां का।

अब हम बनेंगे स्वर्ण नगरी
के साथ इस पूरी पृथ्वी के अजवान
शिल्पात्री यद्य कैद से ना आना मोती तो अब
नम तुम कहीले मकौलों की तरह हमारे
कदमों में रेंगते नाजर आते।

राजगबर और महानगर में किंग
अप छोटे मोटे सीरीयल ब्लाइंड हमारे विश्व
विजय अजवान का ही हिस्सा थे। वो सारे बाइबल
पूरे महानगर और राजनगर को खाक में
मिलाने के लिए काफी थे।

पर विडम्बना ये ही कि
भुजक के पास उन विस्फोटकों
का स्टॉक उखाड़ नहीं था।

बुनिया पर राज
करने के लिए चाहिये थे और
विश्वरक हथियार।

ओ कि स्वर्ण नगरी के
प्रक्षोभजन में थे और प्रक्षोभजन
को स्कोलने का तरीका पता
था धनजय को।

पर अब कोई चिंता नहीं।
शिल्पात्री को विमान को स्टैंड
कर मदद मानने ने जान लिया
स्वर्णनगरी के शास्त्रावार को
खोलने का तरीका।

हमने बुनिया की सारी प्रगुछा
जगहों को निशाने पर ले रखा है।
अब पूरी बुनिया को हमारे हुकूम मानना होगा।
स्वीकार करनी पड़ेगी हमारी दासता। अब
बुनिया को बनावा, संवारना, नष्ट करना हमारे
हाथ में है। अब बुनिया के ईश्वर, हम हैं। विष्णु
हम हैं और ब्रह्मा भी हम हैं क्योंकि हमारे
पास है ब्रह्मस्त्र हाहाहाहा।

तुम्हारी सारी
योजनाओं को ध्वस्त कर
देना चाहता हूँ।

ऐसा न
करना चाहता हूँ
वर्ना

अब तुम्हारी
उन ब्रेन सेक्टर को
पकड़ सकता हूँ
और तुम्हारे विमान
में होने वाली छोटी
सी भी हरकत से
एक्टिव होनी है।

ऐसा होते ही तुम्हारे
विमान को खेसना होगा
एक गहरा झटका।

बचाव के लिए
सोचे गए तरीके को भी यह
नैव तुरंत पकड़ कर असह्य
झटके का झटका
कर देगा।

क्योंकि हमारे कीमती
और कीमती चीजों में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक
तरंगों का प्रभाव है। जिसे कंट्रोल कर
रहा है मेरा सुपर कम्यूटर।



भद्रक महान
न तुम्हारी सारी
शक्तियों का बाहन
अवशयन करके तुम
सोनों को खंड करके
का इंतजाम
किया है।



संसार के
सभी बड़े देशों
को हमारी हुकूमत
स्वीकार करने का
अदेश भोज दिया
गया है।

अगर आधी
घंटे में हमारी शर्त
स्वीकार न की गई
तो हम 'श्रीलंका'
को जीवन रक्षित
कर देंगे।

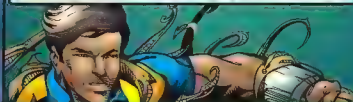
हाहाहा। हम
अधिक लोगों को मारने के
गुह में नहीं हैं। श्रीलंका की आबादी भी
कम है। इसलिए पहले आपकी नाकत
दिखाने के लिए हम उसे ही
जीवन रक्षित करेंगे।

हम चाहते
हैं कि जब दुनिया
पर हमारा कब्जा हो
तो हमारे गुलामों की
संख्या अधिक से
अधिक हो।



आपका हमारी किस्ती भी हरकत
पर तुरंत बिभागी झटका मचना है

आपका हमारा किस्ती भी हरकत पर तुरंत बिभागी झटका मचना है



आपका हमारा किस्ती भी हरकत पर तुरंत बिभागी झटका मचना है



आपका हमारा किस्ती भी हरकत पर तुरंत बिभागी झटका मचना है

मूँच पर हाथ में लफटन होना
आता। आता ही आता

WHAT THE...
धुल के डिमाल का
अटकन क्यों नहीं
कर रहा?

सुपर कम्प्यूटर
लेकी डिमाली हरकतें क्यों
नहीं पढ़ पा रहा?

DESTROY!

वे व
गाबल हो गया
हे क्या?

DESTROY

उहो
कतल करी
आवत!

ऊफSSS
कतल समझ करी
आ रहा है।

यह क्या? ध्रुव ने
नष्ट कर दिया डैथ चेंबर के
आतंकी, असंभव!

होर असंभव,

असंभव सा
असंभव!

बन करा
ध्रुव, डैथ चेंबर डिराइटिव
हो चुका है!

ऐसा कैसे हो गया? सुपर
कम्प्यूटर ने काम करना बंद
कर दिया था क्या?

कैसे
किया ध्रुव ने
यह सब?

यह सब ध्रुव ने
अरे तीव्र सन्नोहन में
कॉन्ट्रोल किया!

सन्नोहन के
कारण ध्रुव को विमानों में
बस एक ही कमांड एक्टिव थी
किसी भी हाल में डैथ चेंबर
को नष्ट करना

उसके लिए ध्रुव को
विमानों में लाने वाले डाटके की कोई
मायने नहीं रखने थे।

BOOM

ध्रुव का बल
नष्ट हाल में बेरा आदेश
पूरा करना था। तो उस
ने पूरे डैथ चेंबर को
ध्वस्त कर दिया।



पर ये सब
करके भी तुम
सोना सच नहीं
पाओगे.
ब्लैक टोड्स ने
छात्र कर व
इनको.



रजत जाओ मरवूँ
मालराज जी. धुव जी से कहलें
मे पढ़लें तुमने हमारी लाक्षा पर
ने कानूना होगा.



यह नामांकन मैकक
यहां कहां से आ गया? हुने
तो ब्लैक टोड्स ने छात्र
कर दिया था.



TOADS ACTION....



छात्र तो अब
तुम सब होगे अपने गार
उपस्थिति के लाक्षा



छात्रनायको की
देसी की तैसी!

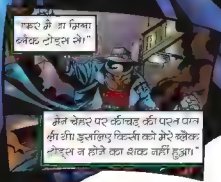
अरे! इन सबका
म्यूटेशन हेवेल नॉर्मल
कैसे हो गया?

नन्वाना



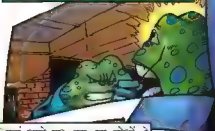
मैं बताना हूँ तुझे माया
कि कैसे मैं बच गया और कैसे
मेरे बच्चे काइटर टोडल का
अपुष्टेशन लेवल लोअर है।

"जब तेरा ब्लैक टोड कम्यूटर मूवमेंट लटके
हुए गटर में डबल आ गया था। मैंने शान्त
सर्किट के द्वारा अपनी ओपर्टेन उठा ली."



"फिर मैं आ गया
ब्लैक टोडल से।"

मैंने चेस पर कीबोर्ड की परत पतल
की थी। इसलिए किसी को मेरे ब्लैक
टोडल न होने का शक नहीं हुआ।"



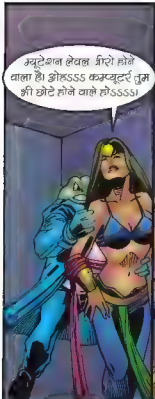
यहां आने पर जब तुम लोगों ने
नागराज जी, ध्रुव जी को डैट बेंबर
में फंसा दिया था तो मैं निकला
मना डिस्टर्बेंस की मलाश मे।



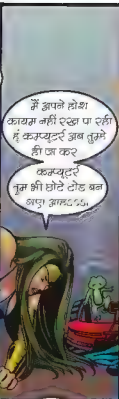
क. कम्यूटर
तुम यहां कैसे पहुंच
आए। ! आउट



मजरी मारुटर की
छोटा हो गया है और
चालबाज माया ने नागराज
जी और ध्रुव जी को भी
कैद कर लिया है।



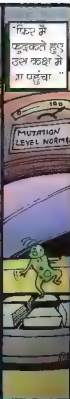
म्यूटेशन लेवल क्रीरो होने वाला है। ओहSSS कम्प्यूटर तुम भी छोटे होने वाले होSSSS!



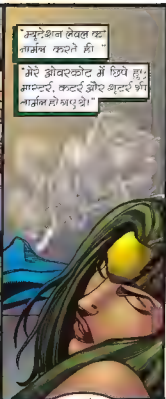
मैं अपने होश कायम नहीं रख पा रही हूँ कम्प्यूटर अब तुमसे ही ज कर कम्प्यूटर नुम भी छोटे टोड बन जायु आहSSSS!



आह! कम्प्यूटर! म्यूटेशन लेवल सिस्टम उस कक्ष में है।



"फिर मैं फूटकर ले जाऊंगा उस कक्ष में जा पहुँचा"

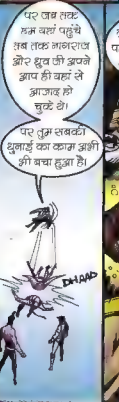


"म्यूटेशन लेवल का सामना करते हैं।"

"मेरे डोवरकोट में छिपे हुए मास्टर, कटर और शूटर भी भागने हो सकते हैं।"



चको! यार! हमें भाबा की थुनाई करनी है। और भाबाज जी और धुव जी को कैद से आजाद कराना है।



पर जब तक हम वहाँ पहुँचे तब तक भाबाज और धुव जी अपने आप ही वहाँ से आजाद हो चुकेंगे। पर तुम सबकी थुनाई का काम अभी भी बचा हुआ है।



बहुत शक्यास कर ही तुमने। मेरा ये कर्ज वार पहले तुम्हारी बड़बोली जुबान को बसापुना फिर तुम्हारी खोपड़ी को।

अगर वो कम्प्यूटर तक पहुँच गया तो।

ओह! कर्ज वार मरने हो गया।

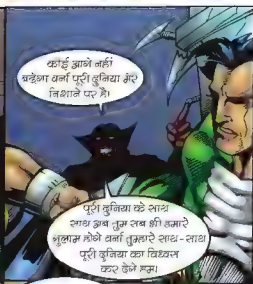


अब हमारे वार तुम्हारी सारी कर्त निकाल देंगे।

और अपनी थोड़ी सी कर्त हम तुम्हारी थुनाई में निकाल देंगे।



व आधु मांया
के गुर्जे। अब मांया को
मुर्गा भगवान है।

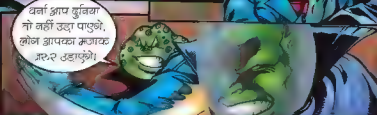
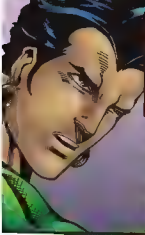


काई आने नहीं
बड़ेया वना पूरी दुनिया और
विशाल पर है।

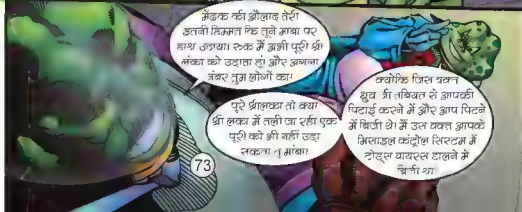
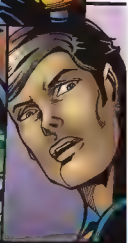
पूरी दुनिया के साथ
साथ अब तुम सब भी हमारे
भुलाम छोले वना तुम्हारे साथ-साथ
पूरी दुनिया का विध्वंस
कर केने हम।



मां, हम सब आपके
भुलाम हैं महाव मांया श्री।
पूरी दुनिया को उड़ाने की
कोशिश न कीजिए।



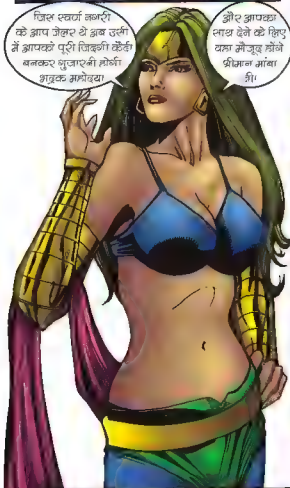
वना आप दुनिया
नो नहीं उड़ा पाएगे,
लोन आपका मजाक
भर उड़ाएंगे।



मैंडक की औलाद तेरी
अतनी विस्मय कि तूने मांया पर
हाथ जगया। एक में आजी पूरी श्री
मंका को उड़ाता हूं और आभवा
जबर तुम लोगो का।

पूरे श्रीलंका तो क्या
श्री लंक में तली या रहीं एक
पूरी को भी नहीं उड़ा
सकता न मांया।

क्योंकि जिस वकन
धुव श्री तखिल से आपकी
पिटार्ई करने में और आप पिटने
में बिपी थे। में उस वकन आपके
मिसाइल कंट्रोल सिस्टम में
टोह्स वायरस डालने में
बिपी था।



नाइस की मजदूरी से स्वर्ण कनरी से मुर्दा होने तो मिता
 हा मने परन्तु मा की वाइ यहेले मिता लकरी मूँ मे?

मा हम
 फिर छोड़कर कोई प्यारा लकरी
 चली गई।

फिर से
 नहीं बचा।

यवन के साथ साथ
 ये थोड़े से बड़े और अनुभवी
 जश्न हो गए हैं। मगर अभी भी
 अच्छे बुरे की समझ
 इनमें नहीं है।

जिस करले का
 जा जाने कहीं किल जवानी
 नहीं वे रहा।

जोर्ड हेसा चाहिपु जो
 इनका मार्गदर्शन करना
 रहे। क्यों धनत्रय?

जि ठीक कमनी
 हो डिप्लोमैट्री,

धनत्रय ने आखिर मुझे घर ला
 जश्न से मिलने की आज्ञा उस वे ला की।

अब मैं अपनी मजदूरी और मार्ग दर्शन
 इनके समय समय पर देती रहूँगी।

मां! मां! मां! मां!

मम्मी!

HAPPY ENDING

राज कॉमिक्स पेश करते हैं 20 का जादू!

राज 20

AMAZING FRIENDS OF NAGRAJI

दुर्दम्य सेना पचनाग

महायोद्धा कालदूत

शूल धारिणी सौडागी

नाग वीरागना विसर्पी

द्वितीय सेट में चार सनसनीखेज कॉमिक्स!

अम्बरीश, विष्ण्या, प्रतिशोध, फैरो



डोगा का नकाब तो ढोँच दिया है।
अब डोगा का कातिल बनेगा...

राज
कॉमिक्स

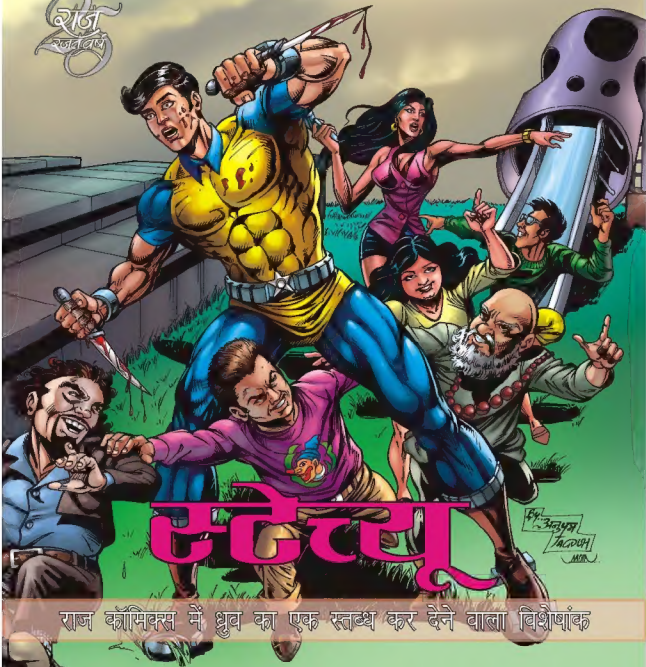


गोल्डन हीरो

राज कॉमिक्स में पढ़िए डोगा का रोमांचक कॉमिक विशेषांक!

नदरू दल के पास है अद्भुत शक्ति! ये जिसे चाहेंगे उसे
बना देंगे किलर! क्योंकि दूसरों को वश में करने के
लिए इनको बोलना है एक शब्द...

राज
कॉमिक्स



स्टेच्यू

राज कॉमिक्स में ध्रुव का एक स्तब्ध कर देने वाला विशेषांक

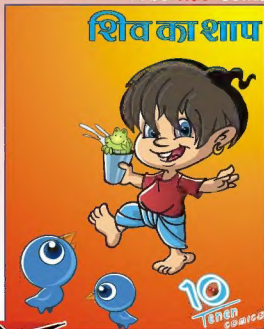
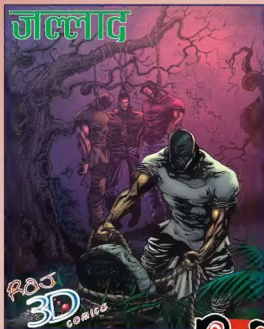
राज कॉमिक्स पेश करते हैं

2010

10
Tenen
COMICS

राज
रजन वर्य

FREE WEB COMICS



2010
COMICS.COM



यह चारों कॉमिक्स पढ़ने के लिए राज कॉमिक्स वेबसाइट WWW.RAJCOMICS.COM को विजिट करें।

वो मस्करा भी जिंदा थे। वो जिन्हें मारते थे वो भी मस्करा जिंदा थे नाते थे।

राज
Raj Comics
FREE WEB COMICS

राज
कॉमिक्स

इन्फेक्टेड

राज कॉमिक्स वेबसाइट का मुक्त उपहार।

ऐसी थ्रिलर कॉमिक्स जिसे आप ज़िंदगी भर नहीं भूल पाएंगे।

(रोतड़ी, शन्नो चुड़ैल, डायन मां, प्रेत गवरी, प्रकोप)

यह कॉमिक्स पढ़ने के लिए राज कॉमिक्स वेबसाइट WWW.RAJCOMICS.COM पर विजिट करें।